जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 | वर्षः 50 | संख्याः 345 | प्रभात | कोटा, रविवार 28 सितम्बर, 2025 | कोटा/24/2012-14 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रु.

एक पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार हुआ है, वांगचुक के आंदोलन की वीडियो सीमा पार भेजते हुए

अगर यह केवल अफवाह भी है तो भी भारत के लिए खतरनाक है, क्योंकि सामरिक दृष्टि से अतिमहत्वपूर्ण इस क्षेत्र में ''अस्थिरता'' पैदा हाने की संभावना के परिणाम स्थानीय राजनीति तक सीमित नहीं हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

■ **चर्चा के साथ यह भी कहा जा रहा है कि वांगचुक चुपचाप पाकिस्तान भी गये थे और वांगचुक को विदेशी सहायता भी मिलती है, अपनी गतिविधियाँ जारी रखने के लिए।**

नई दिल्ली, 27 सितंबर। लद्दाख में जो विरोध प्रदर्शन एक स्थानीय आंदोलन के रूप में शुरू हुआ था, वह तेजी से राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन गया है। कभी अपनी शांति और सहनशीलता के लिए मशहूर यह क्षेत्र अब हिंसक अशांति का गवाह बन रहा है। रणनीतिक विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि ये हालात भारत की सबसे संवेदनशील सीमा पर खतरे का मुकाबला करने की क्षमता को कमजोर कर सकते हैं।

भू-रणनीतिक विशेषज्ञ (जिओ स्ट्रैटजिस्ट) ब्रह्मा चेलानी ने कड़ी चेतावनी दी है कि लद्दाख में बढ़ती अस्थिरता सिर्फ एक आंतरिक शासन की समस्या नहीं है, बल्कि यह भारत की सीमा रक्षा व्यवस्था, खासकर चीन के खिलाफ, को सीधी चुनौती है। चेलानी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, ''सन् 2020 से लद्दाख में भारत-चीन सीमा तनाव का केन्द्र रहा है।'' उन्होंने कहा, यहाँ की अशांति भारत की सामरिक तैयारी को कमजोर कर सकती है, जबकि यह इलाका देश की उत्तरी रक्षा पंक्ति का अग्रिम मोर्चा है।

लद्दाख, जो चीन के कब्जे वाले अक्साई चिन और पाकिस्तान अधिकृत इलाकों के बीच स्थित है, की स्थिति इसे एशिया का भू-राजनीतिक रूप से सबसे

(शेष पृष्ठ 5 पर)

ट्रंप को नहीं मिलेगा नोबेल शांति सम्मान

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितंबर। नोबेल समिति ने चुपचाप डॉनल्ड ट्रंप का नाम शांति पुरुस्कार के दावेदारों की सूची से हटा दिया है।

■ **नोबल कमेटी ने उनका नाम दावेदारों की लिस्ट से हटा दिया है, क्योंकि वे न केवल अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन कर रहे हैं, बल्कि उनके खिलाफ अपराधिक कार्यवाहियां भी चल रही हैं।**

समिति ने अंतर्राष्ट्रीय मानदंड़ों के उल्लंघन और लगातार चली आ रहीं आपराधिक कार्यवाहियों का हवाला

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सदा की भांति, रेल मंत्रालय बिहार पर नये प्रोजैक्ट्स की बारिश करने में मशगूल है

पर, विपक्ष भी पीछे नहीं है, रेल मंत्रालय की इन सौगातों की हवा निकालने में

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

■ **प्रशांत किशोर, जिनका इस बार बिहार चुनाव में भाजपा विरोधी रुख है, केन्द्रीय सरकार पर सीधा आरोप लगा रहे हैं कि सरकार गुजरात में एक के बाद एक इण्डस्ट्री लगाती जा रही है। पर, बिहार में गैर ए.सी. अमृत भारत रेल गाड़ियां शुरु कर रही है, जिससे बिहार का ''चीप लेबर'' अन्य विकसित राज्यों में जाकर भवन निर्माण आदि में काम करे, ये क्या सौगात हुई।**

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। रेल बजट को 2017 में सामान्य बजट में मिलाने के बाद यह माना गया था कि रेल से जुड़ी लोकलुभावन राजनीति पर रोक लग जाएगी। लेकिन हुआ इसका उलटा। हर चुनावी राज्य में आचार संहिता लागू होने से पहले रेल परियोजनाओं की बौछार की जाती है। हरियाणा और महाराष्ट्र जहाँ इस साल के आरंभ में चुनाव हुये थे, के बाद, अब बिहार को भी इन दिनों कई बुनियादी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्टों की सौगात मिल रही है।

रेल और सड़क निर्माण एनडीए सरकार के विकास एजेंडे का मुख्य हिस्सा बने हुए हैं। इसी हफ्ते केन्द्रीय कैबिनेट ने इन दोनों क्षेत्रों की परियोजनाओं को कुल 6014 करोड़ रुपये की मंजूरी दी। इसमें साहेबगंज-अरेराज-बेतिया खंड पर 78.94 किलोमीटर लंबा चार लेन हाईवे बनाने की योजना शामिल है। यह सड़क

(शेष पृष्ठ 5 पर)